शेख़ फ़रीद - सबद ४२

फरीदा चारि गवाइआ हंढि कै चारि गवाइआ समि ॥

सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, १३७९

फरीदा चारि गवाइआ हंढि कै चारि गवाइआ समि ॥
लेखा रबु मंगेसीआ तू आंहो केर्हे कमि ॥३८॥

सार: "पहर" शब्द संस्कृत से आया है और यह एक निगरानी या सतर्कता की अवधि, सजगता और सतर्क रहने की अवधारणा को दर्शाता है। परंपरागत रूप से एक दिन को आठ "पहरों" में बाँटा गया है, प्रत्येक "पहर" तीन घंटे का होता है - चार दिन में और चार रात में। प्रतीकात्मक रूप से, प्रत्येक पेहर हमारे इरादों के प्रति जागरूकता के समय का प्रतिनिधित्व करता है। दिन के चार "पहर" हमें सजगता के साथ जीवन जीने का संदेश देते हैं जबकि रात के चार "पहर" जीवन की यात्रा, बचपन, युवावस्था, मध्यावस्था और वृद्धावस्था पर चिंतन के लिए प्रेरित करते हैं ताकि हम जीवन को केवल समय का प्रवाह न मानें बल्कि सार्थक अनुभव के रूप में समझें। "पहर" हमें यह भी याद दिलाता है कि हमें अपने भीतर के गुणों और सहज सद्गुणों की रक्षा करनी है अहंकार, आसक्ति और विकर्षण जैसे दोषों से बचना है जैसे कोई आध्यात्मिक पहरेदार अपने आंतरिक स्व, अपनी आत्मा और अंतर्निहित गुणों की रक्षा करे।

फरीदा चारि गवाइआ हंढि कै चारि गवाइआ समि ॥
फ़रीद कहते हैं कि दिन के चार पहर भटकने में गँवा दिए और रात के चार हिस्से नींद में खो गए। यह सांसारिक मोह-माया और आध्यात्मिक अज्ञानता के पीछे जीवन के अवसरों को गँवाने का प्रतीक है। सार्वकालिक जब आपसे हिसाब माँगेगा आप कौन से कर्म दिखाएंगे।

लेखा रबु मंगेसीआ तू आंहो केर्हे कमि ॥३८॥
हमारे भीतर व्याप्त सर्वव्यापी चेतना हमारे कर्मों का लेखा-जोखा माँगेगी और पूछेगी कि इस संसार में किसलिए आए थे? (३८)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद मार्मिक रूप से कहते हैं कि हमारे दिन के चार हिस्से भटकने में बर्बाद हो जाते हैं जबकि बाकी चार नींद में समा जाते हैं। यह वास्तविकता हमें इस बात की कड़ी याद दिलाती है कि सांसारिक मोह-माया और आध्यात्मिक जागरूकता के अभाव में हम कितनी आसानी से जीवन के अनमोल अवसरों को गँवा सकते हैं। हर साँस संभावनाओं से भरी है और जीवन सीमित है। जब अपनी सच्चाइयों का सामना करने का समय आएगा तब हमें अपने समय के बदले दिखने के लिए क्या होगा? यह संदेश जागरूकता को प्रोत्साहित करता है, न केवल हमारे कार्यों के प्रति बल्कि उस उद्देश्य के प्रति भी जिसके लिए हम जीते हैं। यह एक जागृत करने वाली चेतावनी के रूप में कार्य करता है जो हमें हमारे अस्तित्व के गहन अर्थ की जांच करने के लिए चुनौती देता है।

पहलकदमी

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com